Issue of bus-chassis

254. SHRI SHIVENDRA BAHADUR SINGH): Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state how many bus chassis have been given in New

Delhi as compared to the unemployed graduates or Adivasi and Harijans who are asking for bus chassis in rural sector of Madhya Pradesh,

Bihar, Orissa and Uttar Pradesh;

THE MINISTER OF STATE IN THE

MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): Distribution of chassis to the general public and private organisations in Delhi as compared to the distribution in Madhya Pradesh, Bihar, Orissa and Uttar Pradesh for the same category, as reported by the principal manufac-

turers, is given below:-

	Delhi	Madhya Pradesh	Bihar	Orissa	Utta r Pracesh
1978-79	284	196	269	116	283
1979-8n	137	185	233	106	404

The manufacturers have reported that they are not maintaining details of chassis distribution communitywise.

Separate department for welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

255. SHRI LAKSHMAN MALLICK: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether Government propose to establish an independent Department in the Ministry of Home Affairs to look after the welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes:
- (b) if so, the details in this regard; and
- (c) the time by which the proposed department is likely to be established?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) to (c). No decision has yet been taken.

जवानों तथा अधिकारियों के रूप्ये नई वर्दी

256. श्री दौलत राम सारण:

श्री म्रार० एन० राकेश:

श्रो राम प्यारे पनिका:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सणस्त्र सेनाम्रों के जवानों तथा अधिकारियों के लिए नई तथा मुविधाजनक वर्दी का डिज्ञाइन तैयार किया गया है ग्रौर क्या नई वर्दी का डिजाइन ग्रौर चयन 1978 में जनरल सेथना की ग्रध्यक्षता के ग्रन्तर्गत गठित समिति की सिकारियों के ग्रनुरूप है;

(ख) सिमिति द्वारा वर्दी के बारे में मुख्य सिकारिशें क्या हैं ग्रौर सिमिति ने ग्रपना प्रतिवेदन कव तक दिया तथा सरकार द्वारा कौन सी सिकारिशें स्वीकार की गई;

(ग) नई वर्दी की ग्रावश्यकता किन कारणों से महसूस की गई तथा नई वर्दी की विशेषताए क्या हैं तथा उसके चयन की कसौटी क्या है ; ग्रीर

(घ) इस नई वर्दी को लागू करने पर कितना भ्रतिरिक्त खर्ची हुम्रा है?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिवराज वो० पाटिल): (क) र्ज; हा।

- (ख) पोणाक समिति ने श्रपनी रिपोर्ट नवम्बर, 1979 में रक्षा मवालय को दे दी थी और राजनीतिक मामलों से सम्बन्धित मंत्रीमण्डल समिति ने विस्तृत परीक्षण के बाद जनवरी, 1981 में इसे श्रन्तिम रूप से श्रनुमोदित कर दिया। विश्व सिमिति की मुख्य सिफारिशें संलग्न विवरण में दी गई है;
- (ग) नई प्रकार की वर्श की क्या वश्यकत इसालए महसूस की गई क्योंकि वर्तमान व सेनाओं की संचालन सम्बन्धी विविध क्य

ण्यकतायों को पूरी तरह से पूरा नहीं कर पाती थीं उसका रख-रखाव ग्रीर ग्रनुरक्षण भी सरल नहीं था। नई वर्दी की विशेषताएं धौर उसके चयन के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं :---

(1) इससे सैनिकों की कार्य करने की क्षमता बढ़ेगी।

(2) इसमें ग्रलग-ग्रलग कार्यों के लिए म्रलग-म्रलग वर्दियों का प्रावधान होगा ; ग्रौर

(3) इसके रख रखाव में ग्रासानी रहेगी।

श्रौर यह मजबूत भी रहेगी तथा इससे पहनने वाले में चस्ती भी बनी रहेगी।

> (घ) नई वर्दी के लागू करने पर कूल लगभग 12.98 करोड़ रुपये का श्रतिरिक्त व्यय होगा। चुंकि नई वर्दियों के लागू करने का काम ऋमिक रूप से पांच बर्बी में किया जाएगा इसलिए श्रीसत रूप से प्रति वर्ष लगभग 2.60 करोड़ रुपये का ही म्रतिरिक्त व्यय होगा। यह प्रतिरिक्त व्यय सात वर्षों में समाप्त हो जाएगा ग्रौर उसके बाद से सरकार को 7.99 करोड़ रुपए की वार्षिक मावर्ती

विवरण

बचत होगी।

वर्दी के संबंध में पोशाक समिति की मुख्य-मुख्य सिफारिशों जो नवम्बर, 1979 में रक्षा मंत्रालय को प्रस्तृत की गई इस प्रकार हैं :-

(क) इस समय वदीं की 13 मदों के स्थान पर जो दस नई महें प्रारम्भ की गई हैं वे इस प्रकार हैं:-

चालू की जाने वाली प्रस्तावित नई मर्दे		पावता समान सूची से निकाली जाने वाली वर्तमान मर्दे		पात्रता
	(ক)	(ख)	(ग)	(ঘ)
(1)	(कक) यो द्वी जैंकेट (यह उनके लिए है जिन्हें इस	2	(1) (कक) कमीज सी सी ग्रो जी	7 2
	समय एक श्रथवा शून्य		(खख) कमीज सी सी	
	ग्रोवर ग्राल कम्बीनेशन		खाको	2
	प्र।धिकृत है)		(2) (कक) खाकी ड्रिल पेंट	2
	(खख) यो द्वी जैंकेट (उनके लिए जिन्ह इस समय 2 ग्रोवरग्राल		(खख) ग्रो जी ड्रिल पेंट	2
	कंबीनेशन प्राधिकृत है)।	1		

भ्रथवा शून्य भ्रोवरम्राल कम्बीनेशन प्राधिकृत है)

प्राधिकृत है)

(८) (कक) यो द्वी पैंट (उनके लिए जिन्हें इस समय 1

(खख) यो द्वी पैंट (उनके

लिए जिन्हें इस समय दो

ग्रोवर ग्राल कम्बीनेशन

2

107	Written Answers	FEBRUARY	19, 1981	Written Answers	108
	(क)	(ख)		(ग)	(1)
(3)	टेरीकोट की कमीज	2			
(4)	टेरीकोट की पैंट	2			
(5)	टेरीवूल सूट	1 जोड़ा	(3) स्रोजी	र जर्सी पुल्य्रोवर	1
(6)	ईनर लाइनर योद्धी जैकेट	1	(4) ग्रंगोल	।। ड्रेव कमीज	2
(7)	पूरी वाजू की वेस्ट ऊनी ग्रो की	2	` '	ोट शोट कंपलीट बाजू की वेस्ट ऊनी	1'2
18)	गोल गले की म्राधी बाज व स्रो जी सूती वेस्ट	गर्ल [.] 2		बाजू की सफेद मूती	2 2
(9)	ऊनी ग्रंडर पैट (सर्दी के दौरान यो ी पैट ग्रौर टेरी वूल की यो ी पैट के नीचे पहनने के लिए)	- 1		_	чя
(10)	टोपी एफ एस डिसरप्टिव	1	• • •	क) टोपी एफ एस ग्रो जी ख) टोपी एफ एस	1
			खाकी		
			(11) ऊर्न 	ोस्कार्फ	1
	कता नहीं होगी।			प्टिव के होने पर ऊनी ों को निर्धारित समय व	
	(ख) नई वदियों क्रमिक रूप विधि में दी जायेंगी।	सपायसाल		त का निवास्त समय व स कर दिया जायेगा ।	भ समाप्त
की प्रप होगी	(ग) वस्त्रों के स्थान पर म्र गाली जीवन चक्र धारणा प भ्रौर णांति भ्रौर युद्ध दोनों दी जायेगी।	र ग्राधारित	दिया ज कर दिय प्रति व्य	ह) प्रति व्यक्ति प्रति मा ाने वाला वर्तमान वस्त्र भ प्रजायेगा श्रौर उसके स्था क्ति प्रति वर्ष 15 रुपए क त्या जाएगा।	ाता समाप्त न पर उन्हें
	(ग) ट्रपों की व्यक्तिगत वित दस नई मदें ग्रपने पास			व) सूची में से 9 मदों के ग्रौर नीचे दिये गये विवरणो	•

6 मदौं को 'वन टाइम इण्' के रूप में दिया जायेगा :---

(1) सुबो में ने हटायी जारे वाली मर्दे

(कक) सावुनदानी

(खख) कंघी

(गग) कंघा मार्क H

(घघ) सूई धागा थैली

(ङङ) ज्नियर कमीणन ग्रफसरों के रैंक के बैज

(चच) टिन ब्लान्स कण्टेनर

(छछ) टिन डिवन प्रोटक्टिव

(जज) खटकेदार चाकू

(झझ) डोरी वाला खटकेदार चाकू ग्रोजी

((2) एक डां दिए जाने टार्ल सामग्री

(कक) कंघ पर लगाने के टाइटिल ग्रो जी

(खख) टोपी/पगड़ी वैज

(गग) पहचान डिस्क

·(घघ) पहचान कोई डिस्क

(ङङ) डेजर्ट स्पून

(चच) वैकिंग वेरेच वैज

(छ) नई विद्यों के रूप में प्रयोग की जाने वाली वस्त्रों की स्रितिरिक्त मदों का छिटी योजना के लिए पहिले ही स्रनुमोदन कर दिया गया है।

Police-Naxalite Clashes

257. SHRI A. NEELALOHITHADA-SAN NADAR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) the number of incidents of clashes between the police and the so-salled Naxalites that have taken place in 1980;
 - (b) the reasons for these clashes;

- (c) whether there are any instances in which the Naxalites had attacked the innocent people anywhere;
- (d) the reasons for the growth of Naxalite activities in the country;
- (e) whether Government propose to appoint a Committee consisting of members belonging to the various recognised groups in Parliament to go into the actual state of affairs regarding the reported clashes between the Naxalites and the Police; and
- (f) whether Government propose to call the leaders of the various Naxalite groups to discuss the various national and socio-economic issues?

THE MINISTER OF STAE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA):
(a) to (a): Information is being collected from the State Governments and Union Territory Administrations and will be laid on the Table of the House.

(e) and (f). No such proposals are under consideration of Government.

Demand for enumeration on basis of dialects by ex-criminal and nomadic tribes

258. SHRI UTTAM RATHOD: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether the ex-criminal and nomadic tribes have been demanding the enumeration on the basis of their dialects during Census Operations;
- (b) whether the Maharashtra Government have written to the Registrar, Census Operations and Home Department to take up this work and that they would be at their cost; and
- (c) if so, what action has been taken by the Home Department in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA):
(a) Requests had been received for the enumeration of ex-criminal and